कानपुर, गुरुवार, 26 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 77, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड महागौरीः मां दुर्गा की आठवीं शक्ति की पावन कथा...>Pg12

दुबई में करोड़पति बनाने का सपना दिखाकर ठगी...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

गैस संकट के बीच भारत को बड़ी राहत

5 साल बाद ईरान से एलपीजी की दस्तक...

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। करीब पांच साल से ठप पड़े भारत-ईरान ऊर्जा व्यापार में फिर से हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण 2019 से बंद पड़े तेल और गैस आयात के बीच अब एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। ईरान से एलपीजी लेकर एक टैंकर भारत की ओर बढ़ रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है जब देश गंभीर गैस संकट का सामना कर रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर भू-राजनीतिक तनाव का दबाव बढ़ा हुआ है।

सूत्रों और शिपिंग डेटा के अनुसार 'ऑरोरा' नामक एक प्रतिबंधित पोत ईरान से एलपीजी लेकर भारत के मंगलुरु बंदरगाह की ओर अग्रसर है। यह कार्गो मूल रूप से चीन भेजा जाना था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में इसे भारत की ओर डायवर्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि यह सौदा एक अंतरराष्ट्रीय ट्रेडर के माध्यम से किया गया है और भुगतान भारतीय रुपये में किए जाने की संभावना है जो कि प्रतिबंधों से बचने की एक रणनीतिक चाल मानी जा रही है।

यह घटनाक्रम अमेरिकी प्रशासन द्वारा तेल और गैस की वैश्विक कीमतों को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से दी गई 30 दिन की विशेष छूट के बाद संभव हुआ है। इस छूट ने भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए सीमित अवसर प्रदान किया है, जिससे वे वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित कर सकें।

2019 के बाद पहली बार ऊर्जा व्यापार में हलचल, भुगतान भारतीय रुपये में किए जाने की संभावना

भारत की स्थिति फिलहाल बेहद चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। देश अपनी लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है और हालिया महीनों में आपूर्ति बाधित होने से घरेलू स्तर पर दबाव बढ़ा है। रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखने के लिए सरकार पहले ही औद्योगिक गैस आपूर्ति में कटौती कर चुकी है, जिससे उद्योगों पर असर पड़ रहा है। इस संभावित खेप को इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के बीच बांटे जाने की योजना है, ताकि वितरण तंत्र पर दबाव कम किया जा सके और आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

हालांकि, सरकार इस पूरे मामले में बेहद सतर्क रुख अपनाए हुए है। केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय ने अब तक इस कार्गो के संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यह सतर्कता इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ईरान से किसी भी प्रकार का ऊर्जा आयात अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और कूटनीतिक समीकरणों से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है।

दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव खासतौर पर अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच का सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस मार्गों में से एक है, वहां हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस कारण भारत के कई ऊर्जा टैंकर प्रभावित हुए हैं। सरकार फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है और कुछ टैंकरों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया भी जा चुका है। कुल मिलाकर, ईरान से आ रही यह संभावित एलपीजी खेप भारत के लिए तात्कालिक राहत तो दे सकती है, लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण और रणनीतिक भंडारण को मजबूत करना जरूरी होगा।

सभी फोटो एआई जेनरेटेड

भारत के लिए क्या हैं रणनीतिक मायने?

ईरान से एलपीजी की संभावित वापसी भारत के लिए केवल एक आपूर्ति राहत नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संकेत भी है। इससे भारत को ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण का अवसर मिल सकता है। रूस, अमेरिका और खाड़ी देशों पर निर्भरता के बीच ईरान एक वैकल्पिक और अपेक्षाकृत सस्ता स्रोत बन सकता है। हालांकि, यह पूरी तरह अमेरिका की नीति और वैश्विक कूटनीति पर निर्भर करेगा। भारत को संतुलन बनाते हुए अपने ऊर्जा हितों को सुरक्षित रखना होगा।

क्या स्थायी रूप से बहाल होगा व्यापार?

विशेषज्ञों के अनुसार, 30 दिन की छूट अस्थायी राहत है, स्थायी समाधान नहीं। यदि अमेरिका-ईरान संबंधों में सुधार नहीं होता, तो इस तरह की आपूर्ति अनियमित ही बनी रहेगी। भारत के लिए जरूरी होगा कि वह दीर्घकालिक ऊर्जा समझौतों, रणनीतिक भंडारण और नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़े, ताकि भविष्य में ऐसे संकटों से बचा जा सके।

रुपये में भुगतान क्यों अहम?

ईरान से संभावित इस सौदे में रुपये में भुगतान की चर्चा बेहद महत्वपूर्ण है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण डॉलर आधारित लेन-देन पर निगरानी रहती है, ऐसे में रुपये या वैकल्पिक मुद्रा में व्यापार भारत को प्रतिबंधों के जोखिम से आंशिक राहत देता है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम होगा, बल्कि भविष्य में ꠲रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार꠲ को बढ़ावा देने की भारत की रणनीति भी मजबूत होगी।

'ऑरोरा' टैंकर भारत की ओर, यह कार्गो मूल रूप से चीन भेजा जाना था, भारत की ओर डायवर्ट किया गया

क्या बढ़ेगी घरेलू एलपीजी कीमतों पर राहत?

ईरान से आने वाली यह खेप भले ही सीमित हो, लेकिन इसका मनोवैज्ञानिक और बाजार पर सकारात्मक असर पड़ सकता है। अगर सप्लाई नियमित होती है, तो घरेलू बाजार में एलपीजी की उपलब्धता सुधरेगी और कीमतों पर दबाव कम हो सकता है। हालांकि, यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि ऐसी आपूर्ति कितनी निरंतर और बड़े स्तर पर होती है।

यह भी जान लीजिए...

- 2019 में अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने ईरान से तेल आयात पूरी तरह रोक दिया था
- भारत की कुल एलपीजी खपत का बड़ा हिस्सा आयात आधारित है
- होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया की लगभग 20ब तेल सप्लाई गुजरती है
- रुपये में भुगतान से डॉलर निर्भरता कम करने की रणनीति
- गैस संकट के चलते उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ने की आशंका

होर्मुज संकट का भारत पर असर

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा सप्लाई की लाइफलाइन माना जाता है। यहां बढ़ते तनाव का सीधा असर भारत पर पड़ता है, क्योंकि भारत अपने तेल और गैस का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। हालिया तनाव के कारण शिपिंग लागत, बीमा प्रीमियम और ट्रांजिट समय बढ़ा है, जिससे ऊर्जा की कीमतें और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो रही हैं।

केडीए का बुलडोजर एक्शन

20 बीघा में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

जाजमऊ, चकेरी और रूमा में 4 साइटों पर कार्रवाई, बिना स्वीकृति विकसित हो रही कॉलोनियों पर चला प्राधिकरण का डंडा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में अवैध निर्माण और अनाधिकृत प्लाटिंग के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जोन-1ए क्षेत्र में करीब 20 बीघा जमीन पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्थ्यांल के निर्देश पर प्रभारी अधिकारी सी.बी. पाण्डेय के नेतृत्व में की गई।प्राधिकरण की टीम ने जाजमऊ, चकेरी और रूमा क्षेत्रों में फैली चार अलग-अलग अवैध प्लाटिंग साइटों को चिन्हित कर बुलडोजर चलाया। इन सभी स्थानों पर बिना मानचित्र स्वीकृति और बिना प्राधिकरण की अनुमति के प्लाटिंग का विकास किया जा रहा था।

केडीए की चेतावनी

प्रभारी अधिकारी सी.बी. पाण्डेय ने आम जनता से अपील की है कि प्लॉट खरीदने से पहले केडीए से ले-आउट स्वीकृति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और बिना मानचित्र स्वीकृति के कोई निर्माण न कराएं, अन्यथा भविष्य में नुकसान उठाना पड़ सकता है।उन्होंने साफ किया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान अप्रैल माह में भी लगातार जारी रहेगा, जिससे शहर में अवैध प्लाटिंग पर सख्ती से रोक लगाई जा सके।

इन स्थानों पर हुई कार्रवाई

केडीए द्वारा जिन प्रमुख स्थानों पर ध्वस्तीकरण किया गया उनमें जाजमऊ एयरफोर्स बाउंड्री के पास लगभग 2.5 बीघा

- » प्योंदी चकेरी एयरपोर्ट क्षेत्र में करीब 3.5 बीघा,
- » न्यू एयरपोर्ट रोड रूमा (अहिरवां) में लगभग 8 बीघा,
- » तथा वाजिदपुर जाजमऊ में करीब 6 बीघा क्षेत्र शामिल है।

जेसीबी से जमींदोज हुए निर्माण

कार्रवाई के दौरान 3 जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध रूप से विकसित की गई इंटरनल रोड, नाले, बाउंड्रीवाल, बिजली के खंभे, पिलर और निर्माणाधीन भवनों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। मौके पर चकेरी थाना पुलिस की मौजूदगी में अभियान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

ध्वस्तीकरण के दौरान अवर अभियंता अर्पण सिंह, संतोष कुमार गौड़, सुपरवाइजर प्रभाकर शर्मा सहित अन्य कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

करोडो रुपयों की चारागाह जमीन पर बुलडोजर एक्शन

» सदर एसडीएम की अगवाई में डेढ़ करोड़ की जमीन कब्जा मुक्त

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील के ग्राम पतरसा में ग्राम सभा की सुरक्षित चारागाह भूमि और पनका बहादुर में तालाब व खलिहान की जमीन पर अवैध कब्जे ढहाए गए। तहसील की टीम ने डेढ़ करोड़ की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। यहां सीमेंट की रेडीमेड बाउंड्री तोड़ी गई। तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी ने बताया,डेढ़ करोड़ की जमीन दो जगह खाली कराई गई है।सदर तहसील के ग्राम पतरसा में ग्राम सभा की सुरक्षित चारागाह भूमि पर किए गए अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए करीब 750 वर्ग गज जमीन

कब्जामुक्त करा दी। अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई सीमेंट की रेडीमेड बाउंड्री को तोड़ दिया गया और वहां संचालित मौरंग-गिट्टी की दुकान भी हटवा दी गई.ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने बताया कि

राजस्व अभिलेखों में चारागाह के रूप में दर्ज भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे हटाकर जमीन को ग्राम सभा के कब्जे में वापस दिलाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी और ग्राम सभा की जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।राजस्व अभिलेखों के अनुसार ग्राम पतरसा में गाटा संख्या 208 एवं 210 चारागाह के रूप में दर्ज है। इन गाटों की भूमि के एक हिस्से पर तीन व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था।अतिक्रमणकारियों ने यहां पक्की बाउंड्री बनाकर जमीन घेर ली थी और उसी स्थान पर मौरंग-गिट्टी का कारोबार शुरू कर दिया था। अभियान के दौरान अवैध रूप से बनाई गई पक्की घेराबंदी को तोड़कर हटाया गया और पूरी जमीन को कब्जामुक्त कराया गया। कब्जा हटाई गई भूमि का क्षेत्रफल करीब 750 वर्ग गज है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपये आंकी गई है।

यह कार्रवाई ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर अनुभव सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग और पुलिस बल की मौजूदगी में कराई गई। कार्रवाई के बाद जमीन को पुनः ग्राम सभा के नियंत्रण में दे दिया गया।

कोलकाता के गिरोह का जाल कई राज्यों तक फैला

दुबई में करोड़पति बनाने का सपना दिखाकर ठगी, फॉरेक्स निवेश के नाम पर करोड़ों हड़पे

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

➪ 42 पीड़ितों से 1.5 करोड़ की पुष्टि, कुल ठगी 80 करोड़ से अधिक होने की आशंका

कानपुर। कानपुर समेत देश के कई राज्यों में सक्रिय एक अंतरराज्यीय ठग गिरोह ने लोगों को दुबई में घुमाकर करोड़पति बनाने का झांसा दिया और फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये ठग लिए। अब तक की जांच में 42 लोगों से करीब 1.5 करोड़ रुपये की ठगी की पुष्टि हुई है, जबकि इस पूरे नेटवर्क के जरिए 80 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी होने की आशंका जताई जा रही है।

मामले में रायपुरवा निवासी इंटीरियर कारोबारी शैलेंद्र कुमार की तहरीर पर साइबर क्राइम थाने में कोलकाता के एक दंपती समेत कई अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट, धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है और उन बैंक खातों को खंगाला जा रहा है, जिनमें पीड़ितों से रकम ट्रांसफर कराई गई थी।

पीड़ितों के अनुसार, ठगों ने 'मोनेजेई एफएक्स फोरेक्स' नामक कथित कंपनी के जरिए निवेश पर हर महीने 5 से 6 प्रतिशत तक लाभ का लालच दिया। मई 2024 में गोविंद नगर क्षेत्र में एक बैठक आयोजित कर लोगों को इस योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। शुरुआत में कुछ लोगों को भरोसे में लेने के लिए छोटी रकम पर रिटर्न का झांसा दिया गया, जिसके बाद दर्जनों लोगों ने लाखों रुपये निवेश कर दिए।

कुछ समय बाद जब निवेशकों ने मुनाफा या मूलधन वापस मांगना शुरू किया, तो आरोपियों ने 'सर्वर हैक' होने का बहाना बनाकर भुगतान टालना शुरू कर दिया। इसके बाद गिरोह ने एक और चाल चलते हुए दुबई स्थित अपनी कथित दूसरी कंपनी 'एमटीईई9' का झांसा दिया। पीड़ितों को दुबई घुमाने ले जाकर आलीशान जीवनशैली दिखायी गई और बड़े मुनाफे के सपने दिखाकर उनसे और अधिक निवेश कराया गया। ठगों ने खुद को सफल अंतरराष्ट्रीय कारोबारी बताकर लोगों का विश्वास जीता और नकद, चेक व

ऑनलाइन माध्यम से भारी रकम वसूल ली। ठगी का यह नेटवर्क कानपुर के अलावा हरियाणा, पंजाब, कोलकाता और गाजियाबाद तक फैला हुआ है। शैलेंद्र कुमार ने करीब 20 लाख रुपये, जबकि राजेश साहू ने 15 लाख रुपये निवेश किए। इनके अलावा दर्जनों अन्य लोग भी लाखों रुपये गंवा चुके हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे गिरोह की परतें खोली जा रही हैं और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही इस रैकेट के मास्टरमाइंड तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है। वहीं, साइबर विशेषज्ञों ने निवेशकों को बिना सत्यापन के किसी भी फॉरेक्स या ऑनलाइन स्कीम में पैसा लगाने से बचने की सलाह दी है।

शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि

चौबेगोला में स्थापित की गई चरण पादुका

मुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

➪ फिजा व गोल्डन क्लब का संयुक्त आयोजन, भारत रत्न देने की मांग दोहराई गई

कानपुर। अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी के बलिदान दिवस पर बुधवार को शहर में भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (फिजा) एवं गोल्डन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में उनके शहादत स्थल चौबेगोला स्थित बंदूकेश्वर हनुमान मंदिर परिसर में प्रतीकात्मक चरण पादुका स्थापित की गई।

चरण पादुका स्थापना के बाद उपस्थित लोगों ने गणेश शंकर विद्यार्थी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया। वक्ताओं ने उनके जीवन और बलिदान को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके विचारों को आज के दौर में भी प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फिजा के अध्यक्ष शान्तनु चैतन्य ने कहा कि मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी का स्थान समाज में अत्यंत ऊंचा है। उन्होंने कहा कि उनके बलिदान को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से यह प्रतीकात्मक चरण पादुका स्थापित की गई है। साथ ही संगठन की ओर से उन्हें भारत रत्न दिए जाने की मांग भी दोहराई गई। गोल्डन क्लब के संस्थापक अनुज निगम ने बताया कि पिछले वर्ष दोनों संगठनों द्वारा यह संकल्प लिया गया था, जिसे इस वर्ष साकार किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा और आदर्शों के प्रति प्रेरित करते हैं। वरिष्ठ पत्रकार दुर्गेंद्र चौहान ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता को गणेश शंकर विद्यार्थी के सिद्धांतों, निडरता और निष्पक्षता से सीख लेने की आवश्यकता है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता आंदोलन के समय थे। इस अवसर पर शैलेन्द्र चौहान, इला बाजपेई, डॉ. नवीन वर्मा, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, सचिन शर्मा, अरुण कनौजिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जाजमऊ फ्लाईओवर पर दौड़ता रहा आग का गोला बना ट्रक

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

○ शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 100 मीटर तक जलता ट्रक दौड़ा
○ चालक, परिचालक व एक अन्य ने कूदकर बचाई जान

कानपुर। कानपुर के जाजमऊ फ्लाईओवर पर बुधवार रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब मौरंग से लदे एक ट्रक में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद ट्रक करीब 100 मीटर तक हाईवे पर दौड़ता रहा और देखते ही देखते आग का गोला बन गया।घटना रामादेवी से जाजमऊ की ओर जाने वाले फ्लाईओवर की है।

गोंडा निवासी चालक पप्पू पासवान उरई से मौरंग लेकर लौट रहा था। रामादेवी पार करते ही ट्रक के केबिन में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। चालक और परिचालक बूदई ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैल गई। हालात बिगड़ते देख चालक, परिचालक और एक अन्य साथी ने चलते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई।आग की लपटें तेज होते ही ट्रक के टायर एक-एक कर फटने लगे, जिससे जोरदार धमाके हुए और मौके पर दहशत फैल गई।फ्लाईओवर पर मौजूद लोग जान बचाने के लिए दूर भागने लगे। इस दौरान चालक पप्पू पासवान के दोनों हाथ झुलस गए। ट्रक में रखे करीब 20 हजार रुपये और जरूरी दस्तावेज भी जलकर राख हो गए, जबकि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना के बाद पुलिस ने एहतियातन रामादेवी से जाजमऊ की ओर आने वाले वाहनों को रोक दिया, जिससे करीब 6 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। राहगीरों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा और यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा।सूचना के बावजूद दमकल की गाड़ियां करीब 20 मिनट की देरी से मौके पर पहुंचीं, जिससे नुकसान और बढ़ गया। हालांकि पहुंचने के बाद फायर ब्रिगेड ने करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। फायर अधिकारी राहुल नंदन ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन जाम के कारण दमकल को वैकल्पिक रास्ते से मौके तक पहुंचना पड़ा।

खाड़ी युद्ध का असर
कानपुर के उद्योग संकट में

कोऑपरेटिव इस्टेट में उद्यमियों का चिंतन शिविर, बताई अपनी पीड़ा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मध्य पूर्व में जारी खाड़ी युद्ध का असर अब सीधे तौर पर भारत के उद्योग और व्यापार पर दिखने लगा है। तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित होने से उत्पादन लागत बढ़ी है और कच्चे माल की कमी ने उद्योगों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। इसी मुद्दे पर कोआपरेटिव इस्टेट सभागार में चेयरमैन विजय कपूर की अध्यक्षता में उद्यमियों की प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं चिंतन शिविर आयोजित किया गया।

चेयरमैन विजय कपूर ने कहा कि तेल और गैस की आपूर्ति में कमी तथा कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि से जुड़े सभी उत्पाद महंगे हो गए हैं। उद्योगों को न तो पर्याप्त एलपीजी गैस मिल पा रही है और न ही जरूरी कच्चा माल उपलब्ध हो रहा है, जिससे उत्पादन लगातार घट रहा है।उद्यमियों ने सरकार के विभिन्न विभागों पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है किहाउस टैक्स, वाटर टैक्स, बिजली बिल और जीएसटी की वसूली का दबावमार्च माह में लक्ष्य पूरा करने की सख्ती

केस्को द्वारा 10 प्रतिशत फ्यूल चार्ज बढ़ोतरी पर भी चर्चा की ।

उद्यमियों ने कहा कि इन परिस्थितियों में उद्योगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है, जिससे हालात और बिगड़ रहे हैं। उद्यमियों ने मांग की कि वर्तमान संकट को देखते हुए सरकारी विभागों को अपने वसूली लक्ष्यों को आगे बढ़ाना चाहिए, ताकि उद्योगों को संभलने का समय मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उद्योग ही बंद हो गए तो सरकार को राजस्व कहां से मिलेगा।

बैठक में बलराम नरूला, हरीश ईसरानी, सुशील मोहन टकरू, संदीप मल्होत्रा, निखिल गुप्ता, एन.के. गुप्ता, रमेश गुलाटी, दिनेश कुशवाहा, अनूप कुशवाहा, अर्पित अवस्थी, अरुण जैन, श्यामलाल मूलचंदानी, वीरेन्द्र मिश्रा, अरविन्द झा, अशोक जुनेजा, अवधपाल सिंह, भीमसेन, बॉबी कपूर, दीपक रामचंदानी, गिरीश बजाज, गोपाल सदाना, हरि किशन वर्मा, हरीश समतानी, जगदम्बा विश्वकर्मा, मनोज सक्सेना, नरेश पंजाबी, निशित सिंहल, पम्मी खन्ना, प्रवीन विज, प्रेम राज, राजेन्द्र गुप्ता, राजेश कत्याल, सन्तोष गुप्ता, अनिल जैसवाल, लक्ष्मण खिलवानी, शिव कुमार प्रजापति, शुभाशीष भट्टाचार्या, मन्नू अरोड़ा, अरविन्दर सिंह भाटिया सहित सैकड़ों उद्यमी मौजूद रहे।

50 प्रतिशत फैक्ट्रियां बंद 30 प्रतिशत बंदी के कगार पर

चिंतन शिविर में उद्यमियों ने बताया कि तेल व गैस संकट के चलते औद्योगिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

लगभग 50 प्रति फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं करीब 30 प्रति फैक्ट्रियां बंद होने के कगार पर हैं शेष 20 प्रति इकाइयां केवल 70-80प्रति क्षमता पर संचालित हो रही हैं

इसका सीधा असर श्रमिकों पर पड़ रहा है, जिन्हें नियमित वेतन और रोजगार मिलना मुश्किल हो गया है।

एलपीजी और रॉ-मैटीरियल की भारी कमी
कालाबाजारी से बढ़ रही समस्या

बैठक में यह भी कहा गया कि संकट के बीच कुछ तत्वों द्वारा की जा रही कालाबाजारी से हालात और गंभीर हो रहे हैं, जिससे आम जनमानस में भय का माहौल है।विजय कपूर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर शांति ही इस संकट का समाधान है। उन्होंने सभी देशों से युद्ध समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि यही विश्व और मानवता के हित में होगा।

जल निगम की मनमानी, 3 महीने से खुदी सड़क पर फूटा लोगों का गुस्सा

दक्षिणी कानपुर के खाड़ेपुर में धरने की चेतावनी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। वार्ड 21 खाड़ेपुर स्थित कालोनी में पिछले करीब 3 महीनों से खुदी पड़ी सड़क को लेकर क्षेत्रीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। जल निगम विभाग द्वारा खोदी गई सड़क की मरम्मत न होने से लोगों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। परेशान नागरिकों ने ठेकेदार के खिलाफ विरोध जताते हुए जल्द काम शुरू न होने पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि रवि पाण्डेय के मकान से पंकज शुक्ल के मकान तक मुख्य मार्ग पर सड़क खुदी पड़ी है, जिससे न तो वाहन निकल पा रहे हैं और न ही पैदल चलना सुरक्षित रह गया है। कई बार कार और अन्य वाहन फंस जाते हैं, जिन्हें ट्रैक्टर या क्रेन की मदद से बाहर निकालना पड़ता है। वहीं, टूटी हुई पुलियों के कारण राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बनी 3 पुलियों को भी तोड़ दिया गया है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। बुधवार सुबह ठेकेदार द्वारा हाउस चैंबर बनाने के नाम पर फिर से सड़क खोदी गई, जिससे लोगों को उम्मीद जगी कि अब काम शुरू होगा, लेकिन कुछ ही देर बाद ठेकेदार जेसीबी मशीन लेकर वापस जाने लगा।

पूछने पर बताया गया कि काम 15 दिन बाद शुरू होगा।इस पर नाराज लोगों ने ठेकेदार को मौके से मशीन ले जाने से रोक दिया और अधिकारियों को बुलाने की मांग की। सूचना पर पूर्व पार्षद मधु मिश्रा के आवास के पास क्षेत्रीय लोगों ने एकत्र होकर विरोध जताया। स्थानीय लोगों द्वारा कम्पनी के जीएम शैलेन्द्र सिंह को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने ठेकेदार को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।हालांकि, समाचार लिखे जाने तक काम शुरू नहीं हो सका था क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।लोगों ने बताया कि पूरे वार्ड में करीब 4 महीनों से 40 से अधिक सड़कों की खुदाई के बाद मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान संदीप मिश्रा (पूर्व पार्षद पति), स्वामी सिंह, रवि पाण्डेय, राजेश मिश्रा, सतीश तिवारी, अनूप शर्मा, राजेंद्र शुक्ला, रामजी गुप्ता, विकास, कैलाश शुक्ला, गुल्लू तिवारी, अभिनव गुप्ता, धीरेन्द्र साहू, सोनू तिवारी, गोविन्द कटियार, तुषार शुक्ला, वीरेन्द्र साहू, राजू विजय, सविता सहित कई क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सख्ती व जवाबदेही से ही होगा समाधान

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं।दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। एक बात तो तय है कि सरकार के साथ जब समाज की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, गंगा का साफ होना असंभव जैसा हो जाएगा। गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

क्षमा शर्मा

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है।तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है।

पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

जाति को लेकर आए सुप्रीम आदेश के राजनीतिक-सामाजिक मायने

आरक्षण बहस

सुखविन्दर भुल्लर

कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन है, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है।सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं।

इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित

करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तात्पर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं।इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है।जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलित/ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके समान व्यवहार नहीं होता।

बुझ गया उर्दू अदब का रौशन चराग

नम आंखों के बीच अदा हुईं आखिरी रस्में, मकनपुर में अब नहीं दिखेंगी वे नजरें

रिजवान कुरैशी

मकनपुर/बिल्हौर(कानपुर)

बुधवार को कानपुर नगर के मकनपुर में शोक का माहौल रहा। उर्दू अदब के वरिष्ठ शायर जाहिर अदीबी का लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। उनकी अंतिम यात्रा में हर समुदाय के लोग शामिल हुए और गांव के ही निजी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया

60 से 70 का दशक मकनपुर की शायरी के लिए बेहद खास था। यह वो दौर था जब उर्दू शायरी चौधरी इतरत हुसैन आशिकी से होती हुई अदीब मकनपुरी और नियाज़ मकनपुरी के हाथों से परवान चढ़ रही थी। इन शायरों की शोहरत देश के हर कोने में पहुंच चुकी थी और इसी बीच 1947 के आसपास जन्मा एक नौजवान उर्दू अदब से दिल लगा बैठा और दिल की लगी ने उसे सुखन की महफिलों का किरदार बना दिया। अदीब मकनपुरी के आसपास यूं तो शागिर्दों की एक लंबी फेहरिस्त थी लेकिन उसी भीड़ में कोई था जो जाहिर होना चाहता था। अदीब ने उस नौजवान की दीवानगी,फ़ाक़ामस्ती और अदबी शऊर को शेरो सुखन की दुनिया के लिए मुफीद मानते हुए एक शायर गढ़ा, जिसे जाहिर अदीबी के नाम से शायरी की दुनिया में बड़ी पहचान मिली।

सन 1947 का दौर देश आजादी का जश्न मना रहा था तभी मकनपुर के एक राजनैतिक परिवार में ताहिर हुसैन के घर जो उस वक्त प्रदेश की राजनीति का एक चेहरा हुआ करते थे जाहिर अदीबी का जन्म हुआ। घर में संपूर्ण तरीके से सियासत का रंग था लेकिन बड़े होते होते जाहिर ने अपना रास्ता अलग चुना और शायरी की दुनिया में कदम रखते हुए आजाद वतन पे कुछ गीत कहना शुरू किए जो जल्दी ही लोगों की ज़बान पर तैरने लगे यही जाहिर की शायरी का आरंभिक दौर था उर्दू साहित्य से लगाव जाहिर को अदीब मकनपुरी की दहलीज तक ले आया और यहीं पर जाहिर के शब्दों को मूर्त रूप मिला। जाहिर की शायरी की खासियत रही कि उनमें एक तरफ अदीब के कलाम की बलाग़त मिलती है वहीं दूसरी तरफ नियाज़ का बेबाक और सादा रवैया भी मिलता है।

जाहिर की शायरी 80 के दशक में राष्ट्रप्रेम के तरानो से होती हुई ग़ज़ल की दुनिया में प्रवेश कर चुकी थी और ये वही दौर था जब इन्हें मंच मिलना शुरू हुए मुशायरों की दुनिया में कदम रखते ही जाहिर अदीबी श्रोताओं की पसंद बन गए उनका वतनपरस्त जज़्बा और गजलों में आम आदमी के महबूब की कल्पना सुनने वालों को अपनी जिंदगी का किरदार लगने लगी लोग जुड़ते गए और जाहिर बनते गए।

निजी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किए गए

जाहिर अदीब मकनपुरी, फाइल फोटो

मकनपुर निवासी मशहूर शायर जाहिर अदीबी को गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जनाज़े में बड़ी संख्या में हर मजहब के लोग शामिल हुए, जो उनकी शख्सियत और मकबूलियत की गवाही देते नजर आए। उन्हें निजी कब्रिस्तान में दफन किया गया। जनाज़े के दौरान हर तरफ मायूसी छाई रही और चाहने वालों की आंखें नम नजर आईं।लोगों ने उन्हें आखिरी विदाई दी और उनकी मगफिरत के लिए दुआएं कीं। शाम करीब 5:30 बजे सुपुर्द-ए-खाक की रस्म अदा की गई। देर शाम तक उनकी कब्र पर फातिया पढ़ने का सिलसिला जारी रहा, जहां लोग लगातार पहुंचकर खिराज-ए-अकीदत पेश करते रहे। जाहिर अदीबी के छोटे भाई मकनपुर प्रधान मजाहिर हुसैन जाफरी ने बताया कि परिवार ने कोहिनूर खो दिया।

➪ देश की आजादी से पहले आए थे दुनियां में, उर्दू शायरी में बनाए मुकाम के लिए रहेंगे याद

सादा मिजाज,बड़ा फनः चार दशक तक शायरी पर छाए रहे जाहिर

जाहिर अदीबी उर्दू साहित्य और शेरो सुखन की दुनिया का एक बड़ा नाम बन गए। उन्होंने गजलों के अलावा नात मन्क़बत मर्सिया सभी शैलियों में ख्याति बटोरी लेकिन उनका सादा जीवन ही कहा जाएगा कि उन्होंने अपने फन को व्यवसाय नहीं बनाया और न ही मुशायरों के नाम पर कभी मोटी रकम वसूली इसीलिए जाहिर अदीबी अपने शागिर्दों की तरह भोग विलासता का जीवन नहीं जी सके और लगभग 4 दशक तक शायरी की दुनिया में राज करने वाले जाहिर अदीबी 25 मार्च 2026 को इस दुनिया को अलविदा कह गए।

अलविदा जाहिर... श्रद्धांजलि

जाहिर ने इश्क को अलग चश्मे से देखा

हम अदीब मकनपुरी साहब की महफिलों और शागिर्दी का हिस्सा बन ही रहे थे तभी हमने उनके पसंदीदा शार्गिद जाहिर अदीबी को स्थापित रूप में देखा। उनके कलाम की खासियत थी कि ग़ज़लें इश्क का वो स्वरूप थीं कि आम आदमी उसे अपनी जिंदगी का हिस्सा मान लेता था, उनमें वतन परस्ती का जज़्बा था। कम ही लोग जानते हैं कि उन्होंने बेहतरीन हिंदी गीत कहे जो काफी पसंद किए गए। अलविदा जाहिर भाई।

शबीना अदीब, प्रख्यात शायरा

शायरी के एक युग का अंत

हमारे बचपन का मकनपुर जो लगभग 70 का दशक था जाहिर अदीबी को हमने बड़े भाई के तौर पे पहचाना। उन्होंने उर्दू साहित्य की अथक सेवा की। जिसने उन्हें एक अच्छे शायर के तौर पर स्थापित किया। उनका बेबाक ढंग जोशीला अंदाज वतनपरस्त कलाम मील का पत्थर साबित हुआ। मेरे कहने पर उन्होंने एक आल इंडिया मुशायरे का आयोजन कराया था। जिसमें देश के प्रख्यात शायरों ने शिरकत की थी। जाहिर अदीबी की मौत शायरी के एक युग का अंत है।

डॉ0 मजहर अब्बास नकवी, वरिष्ठ पत्रकार, मैनेजमेंट गुरु

उर्दू अदब के लिए बड़ा नुकसान

हम लोगों का दौर आते-आते मकनपुर अदब के क्षेत्र में परिपूर्ण हो चुका था। हमने अदीब मकनपुरी और नियाज़ के किस्से सुने हैं, लेकिन उन्हें देखा नहीं। शायर के तौर पर जाहिर अदीबी को हमने मुहर्रम के दौरान पहचाना। उनकी मर्सिया शैली मीर अनीस से प्रभावित थी। वह कर्बला को अपने जीवन में आत्मसात कर चुके थे। उनका जाना उर्दू अदब के लिए बड़ा नुकसान माना जाएगा।

- नूरुल अरफ़ात जाफरी, सज्जादा नशीं, दरगाह मकनपुर

उर्दू अदब के सितारे से महरूम हुआ मकनपुर

आज अदब की दुनिया एक और सितारे से महरूम हो गई। जनाब अदीब मकनपुरी के पसंदीदा शार्गिद और मशहूर शायर जाहिर अदीबी साहब का इंतकाल न सिर्फ उनके चाहने वालों के लिए बल्कि शायरी की पूरी दुनिया के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। उन्होंने अपनी शायरी में अपने अल्फ़ाज़ को दर्द एहसास और मोहब्बत के ऐसे सांचे में ढाला था जो हमेशा याद रखे जायेंगे।

नदीम फारुख- प्रख्यात शायर

अब शुरू हो गई डीजल की चोरी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)।अरौल थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के एक ढाबे पर खड़े कंटेनर से करीब 240 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

➪ अरौल में ढाबे पर खड़े कंटेनर से 240 लीटर डीजल पार, सीसीटीवी में कैद वारदात

मथुरा जनपद के खैरा कोठी सुरील निवासी कंटेनर चालक रामनिवास शर्मा मानेसर से उड़ीसा माल लेकर जा रहे थे । बुधवार सुबह करीब चार बजे उन्हें नींद आने पर उन्होंने अरौल क्षेत्र में जीपीआरडी कॉलेज के पास एक ढाबे पर वाहन खड़ा कर आराम करने लगे। कुछ देर बाद जब उनकी नींद खुली तो कंटेनर के डीजल टैंक का ढक्कन खुला मिला। जांच करने पर पता चला कि टैंक से लगभग 240 लीटर डीजल गायब था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ढाबे में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें पूरी वारदात रिकॉर्ड मिली। फुटेज में एक वाहन से आए छह लोग दिखाई दे रहे हैं। इनमें से तीन लोग कंटेनर से डीजल निकालते नजर आ रहे हैं, जबकि बाकी तीन आसपास निगरानी करते दिखे। हालांकि अंधेरा होने और दूरी अधिक होने के कारण आरोपितों के चेहरे स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों का उन्मुखीकरण

शिक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर

बीआरसी पर आयोजित कार्यक्रम में डीबीटी, निपुण भारत व ऑपरेशन कायाकल्प की दी गई जानकारी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से बीआरसी बिल्हौर में गुरुवार को ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों, प्रधानाध्यापकों व स्थानीय प्राधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

अधिकारियों ने डीबीटी के माध्यम से छात्रों को यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्कूल बैग व स्टेशनरी के लिए दी जा रही धनराशि की जानकारी दी।

साथ ही निपुण भारत मिशन, ऑपरेशन कायाकल्प, बालिका शिक्षा और आउट ऑफ स्कूल बच्चों के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि विद्यालय, अभिभावक और समुदाय के समन्वय से ही नामांकन, उपस्थिति और ठहराव में वृद्धि संभव है। जनप्रतिनिधियों से इसमें सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संचालन आरती सिंह और डॉ. डी.एन. यादव ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राहुल बच्चा सोनकर मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह ने योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया।

इस दौरान प्रधान संघ के अध्यक्ष अजीत सिंह रजावत, मोहिद्दीन पुर के ग्राम प्रधान राजकुमार सिंह भदोरिया , ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, व अन्य ग्राम प्रधान , शिक्षक व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार ऐसे कार्यक्रमों से शिक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और विद्यालयों में जनसहभागिता बढ़ेगी।

बौद्ध कथा में देवी-देवताओं के अपमान का आरोप, विरोध पर मुकदमा

पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, 9 नामजद समेत 25 पर केस, गांव में तनाव, निष्पक्ष जांच की मांग

आयुष त्रिवेदी
Just now

संगसियापुर की घटना में जिस तरह सवर्ण समाज पर एकतरफा मुकदमा दर्ज किया गया है, दुर्भाग्यपूर्ण है!!!
भीम बौद्ध कथा के नाम पर देवी देवताओं का अपमान कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
पुलिस-प्रशासन की एकतरफा कार्यवाही का प्रतिकार किया जाएगा...

N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)
I.I.F.-I (एकीकृत जांच फार्म -I)

S.No. (क.सं.)	Name (नाम)	Alias (उपनाम)	Relative's Name (रिश्तेदार का नाम)	Present Address (वर्तमान पता)
1	[illegible]		[illegible]	[illegible]
2	[illegible]		[illegible]	[illegible]
3	[illegible]		[illegible]	[illegible]
4	[illegible]		[illegible]	[illegible]
5	[illegible]		[illegible]	[illegible]
6	[illegible]		[illegible]	[illegible]
7	[illegible]		[illegible]	[illegible]
8	[illegible]		[illegible]	[illegible]
9	[illegible]		[illegible]	[illegible]
10	20-25 व्यक्ति अज्ञात			1. अज्ञात,अज्ञात

8.Reasons for delay in reporting by the complainant/informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):
9.Particulars of properties of interest (संबंधित संपत्ति का विवरण):

S.No. (क.सं.)	Property Category (संपत्ति श्रेणी)	Property Type (संपत्ति का प्रकार)	Description (विवरण)	Value (In Rs/-) (मूल्य (रु में))

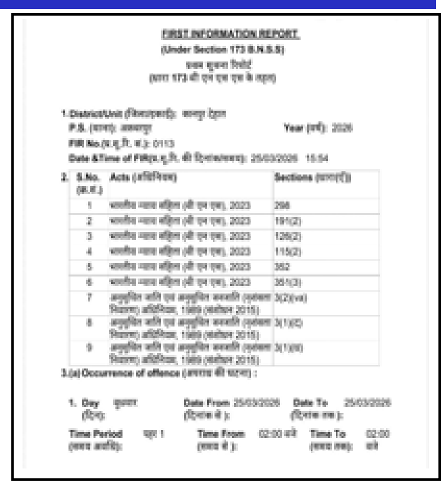
FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 173 B.N.S.S)
प्रथम सूचना रिपोर्ट
(धारा 173 बी एन एस एस के तहत)

1.District/Unit (जिला/इकाई): कानपुर देहात
P.S. (थाना): अकबरपुर Year (वर्ष): 2026
FIR No.(प्र.सू.रि. सं.): 0113
Date &Time of FIR(प्र.सू.रि. की दिनांक/समय): 25/03/2026 15:54

S.No. (क.सं.)	Acts (अधिनियम)	Sections (धारा(एँ))
1	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	298
2	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	191(2)
3	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	126(2)
4	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	115(2)
5	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	352
6	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	351(3)
7	अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015)	3(2)(va)
8	अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015)	3(1)(r)
9	अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015)	3(1)(s)

3.(a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):
1. Day (दिन): बुधवार Date From (दिनांक से): 25/03/2026 Date To (दिनांक तक): 25/03/2026
Time Period (समय अवधि): पहर 1 Time From (समय से): 02:00 बजे Time To (समय तक): 02:00 बजे

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम संगसियापुर में आयोजित बौद्ध कथा कार्यक्रम के दौरान विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि कथा के दौरान हिंदू देवी-देवताओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही थीं। इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद हंगामा और मारपीट शुरू हो गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद के दौरान हालात बेकाबू हो गए और इसी बीच बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे मामला और अधिक संवेदनशील बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को तत्काल नियंत्रण में लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ा विवाद टल गया।

9 नामजद समेत 25 पर मुकदमा दर्ज

पुलिस ने मामले में थाना अकबरपुर में मुकदमा संख्या 113/2026 दर्ज करते हुए 9 नामजद और 20-25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के साथ एससी/एसटी एक्ट भी लगाया गया है।

गिरफ्तारी के लिए दबिश, कई टीमें गठित

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई टीमें गठित कर दी हैं। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। गांव और आसपास के क्षेत्रों में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने केवल धार्मिक आस्था के अपमान का विरोध किया था, लेकिन पुलिस ने उल्टे उन्हीं पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ समान कार्रवाई की मांग की है।

गांव में पुलिस बल तैनात, हालात पर नजर

तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या अप्रिय स्थिति को रोका जा सके।घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जनसहयोग से बाबा साहेब की नई प्रतिमा स्थापित कराई, जिससे स्थानीय लोगों में कुछ हद तक संतोष देखा गया। हालांकि, पूरे घटनाक्रम को लेकर लोगों में नाराजगी अब भी बनी हुई है। पुलिस का पक्षपुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच निष्पक्ष रूप से की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

डिलीवरी का मैसेज आ रहा पर सिलेंडर नही

एजेंसियों पर 4000 की वेटिंग, केवाईसी के नाम पर अवैध वसूली

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में गैस वितरण व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उपभोक्ताओं को बिना डिलीवरी के मैसेज भेजे जा रहे हैं और एजेंसियों पर तीन-चार हजार की वेटिंग चल रही है। जिला पूर्ति अधिकारी ने गड़बड़ी करने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

कानपुर इंडेन गैस सर्विस पर लाइन में लगे प्रवीण कुमार शर्मा कहते हैं कि 12 मार्च को बुक कराया था। डीएससी नंबर आ गया, डिलीवरी का मैसेज भी आ गया लेकिन गैस कहां गई कोई बताने वाला नहीं। कार्यालय छोड़कर रोज यहां आ रहा हूं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। पूर्ति विभाग के अफसरों को फोन कर समस्या बताई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध भले ही कुछ दिन के लिए थमा हो पर सिलिंडर के लिए शहर में युद्ध छिड़ गया है। गैस एजेंसियों ने नया खेल शुरू किया है। उपभोक्ताओं के पास डिलीवरी के मैसेज जा रहे हैं पर सिलिंडर घर नहीं पहुंच रहा। लोग एजेंसी जा रहे पर वहां भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है। यह हाल तब है जब हाल ही में एक एजेंसी में ऐसा खेल मिलने पर लाइसेंस निलंबन की संस्तुति की गई थी।हालांकि अभी तक निलंबन नहीं हो सका है। शहर में रसोई गैस का संकट अब लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भारी पड़ने लगा है। हालात ऐसे हैं कि डिलीवरी का मैसेज आने के बाद लोगों की एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं और कमरे के अंदर से जवाब आता है कि अभी इंतजार करिए। इंडेन गैस एजेंसियों के हालात सबसे ज्यादा खराब हैं।शहर की 50 एजेंसियों में हर एक को सिर्फ 300 सिलिंडर की सप्लाई हो रही है और लाइन में रोजाना तीन हजार से ज्यादा उपभोक्ता खड़े हो रहे हैं। कई-कई दिनों तक लाइन में लगकर घंटों इंतजार करने के बाद भी अधिकतर लोग खाली हाथ लौट रहे हैं।

661 निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापक किए गए सम्मानित

राजपुर में 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम के तहत समारोह आयोजित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर में 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के 661 निपुण परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान ने सभी शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया।यह समारोह राजपुर स्थित श्रीराम प्रकाश पोरवाल महाविद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का संचालन बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जबकि माध्यमिक शिक्षा विभाग को नोडल की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। विभिन्न विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए गए, जिससे उपस्थित लोगों को योजनाओं की जानकारी मिल सकी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष रेणुका सचान ने निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और सहायक अध्यापकों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि परिषदीय विद्यालयों और आंगनबाड़ी के बच्चे ही विकसित भारत की नींव हैं। साथ ही उन्होंने शिक्षकों को विद्यालयों की गुणवत्ता बनाए रखने और अगले वर्ष निपुण जनपद का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

ब्लॉक प्रमुख राकेश कटियार ने विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं के विकास में सहयोग का आश्वासन दिया, जबकि जिला महामंत्री सत्यम सिंह चौहान ने केंद्र और प्रदेश सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से बताया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि निपुण सर्वे में कानपुर देहात ने मंडल में प्रथम और प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय एसआरजी, एआरपी और सभी शिक्षकों के संयुक्त प्रयास को दिया। इस अवसर पर क्रांतिवीर सिंह, रवीश कटियार, अनिल पोरवाल, डीआईओएस बृज भूषण चौधरी, खंड शिक्षा अधिकारी अशोक सिंह, डीसी सौरभ श्रीवास्तव, देवेश धर दुबे, एस.एन. कटियार, अनन्त त्रिवेदी, सन्त कुमार दीक्षित, अजय कुमार गुप्ता, शोमिल कटियार, प्रदीप निरंजन, कुलदीप सैनी, अश्विनी कटियार, अजय वर्मा, मनोज पाल, मोहम्मद मारूफ, सत्यनारायण कटियार, शबाना, रतन प्रभात कटियार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खेत में पेड़ से लटका मिला अज्ञात महिला का शव जांच में जुटी पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के सरवनखेड़ा रोड पर बुधवार शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब एक खेत में पेड़ से लटका हुआ एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। महिला की उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राहगीरों ने खेत के पास पेड़ पर शव लटकता देखा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी पर थाना प्रभारी दिनेश कुमार गौतम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है और शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। थाना प्रभारी के अनुसार, पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

बाल वाटिका नवारम्भ उत्सव धूमधाम से हुआ, नामांकन बढ़ाने पर विशेष जोर

» तीन से छह वर्ष के बच्चों व अभिभावकों का हुआ सम्मान, शिक्षा की मजबूत नींव पर दिया गया बल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के संविलियन विद्यालय बिंदखुरी में बाल वाटिका के अंतर्गत आयोजित नवारम्भ उत्सव पूरे उत्साह, उमंग और पारंपरिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की सहभागिता देखने को मिली, जिससे विद्यालय परिसर पूरी तरह उत्सवमय वातावरण में सराबोर रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय परिवार द्वारा तीन से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं उनके अभिभावकों का तिलक लगाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

नवप्रवेशी बच्चों को कॉपी वितरित कर उन्हें विद्यालय से जोड़ने का प्रेरक प्रयास किया गया।इस अवसर पर आंगनबाड़ी सुपरवाइजर विजय लक्ष्मी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था में शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 3 से 6 वर्ष के बच्चों का अनिवार्य रूप से नामांकन कराएं,

ताकि वे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने पोषण, शिक्षा और समग्र विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी विस्तार से दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष महेंद्र पाल ने कहा कि बाल्यावस्था ही वह समय होता है जब बच्चों के व्यक्तित्व की नींव रखी जाती है।

यदि इस अवस्था में बच्चों को उचित शिक्षा और संस्कार मिलते हैं तो उनका भविष्य उज्ज्वल बनता है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका गीता देवी ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और नामांकन बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जैकलीन सचान, रीना श्रीवास्तव, बाल वाटिका नोडल शिक्षक प्रियंका सचान, कल्पना मिश्रा, अजीत कुमार, सरोजनी देवी,

सीमा देवी, पूजा देवी, जमील खान, दयावती, बसंती, सपना देवी, रमाकांती, आरती पाल, ऊषा देवी, प्रतीक्षा, राखी कश्यप, आकांक्षा, रामादेवी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं तथा अधिक से अधिक नामांकन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

माती बार चुनावः दो चुनावों से गहराया विवाद

'एक बार, एक वोट' के तहत 107 अधिवक्ताओं में मतदान

23 व 25 मार्च के चुनावों को लेकर आमने-सामने दो गुट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला बार एसोसिएशन माती के वार्षिक चुनाव इस बार जहां एक बार, एक वोट के सिद्धांत पर 25 मार्च 2026 को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए गए, वहीं 23 और 25 मार्च को हुए दो अलग-अलग चुनावों के दावों ने अधिवक्ता समाज में बड़ा विवाद और असमंजस पैदा कर दिया है। दोनों पक्ष अपने-अपने चुनाव को वैध बताकर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं, स्थिति उलझी हुई है।

25 मार्च को हुए चुनाव में कुल 107 पात्र (सीओपी धारक) अधिवक्ताओं में से 95 ने मतदान किया। अध्यक्ष पद पर जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने 91 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बलराम सिंह (2 मत) को हराया।

दो मत अवैध घोषित किए गए। महामंत्री पद पर नरेन्द्र सिंह सेंगर ने 72 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि दुर्गेश चन्द्र को 17 मत मिले और 6 मत निरस्त हुए।

निर्वाचन समिति के अध्यक्ष सम्पत लाल यादव के अनुसार चुनाव प्रक्रिया बार काउंसिल के दिशा-निर्देशों और 27 फरवरी को जारी आदेश के अनुरूप पारदर्शी ढंग से कराई गई। कई पदों पर एकल नामांकन होने के कारण वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभा कुमारी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष श्रीकांत राठौर सहित अन्य पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। हालांकि विवाद की जड़ 23 मार्च को हुए एक अन्य चुनाव को लेकर है।

एक पक्ष उसे वैध बताते हुए परिणामों को स्वीकार करने की बात कह रहा है, जबकि दूसरा पक्ष उसे पूरी तरह फर्जी करार देता है। मौजूदा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव का कहना है कि जिला जज के निर्देश और बार काउंसिल के पत्र के अनुसार 25 मार्च को ही वैध चुनाव कराया जाना तय था, इसलिए 23 मार्च का चुनाव नियमविरुद्ध है।

वहीं 23 मार्च के चुनाव में महामंत्री पद की शपथ लेने वाले दुर्गेश चन्द्र यादव ने 25 मार्च के चुनाव पर सवाल उठाते हुए इसे जबरन कराया गया और अवैध बताया। उनका तर्क है कि सीमित 107 अधिवक्ताओं के बीच मतदान कराना अन्य अधिवक्ताओं के अधिकारों की अनदेखी है। जिले में करीब 900 अधिवक्ता सदस्य हैं, जिनमें से बड़ी संख्या सीओपी या अनुभव की शर्तों के कारण मतदान के पात्र नहीं मानी गई।

यही मुद्दा विवाद का प्रमुख कारण बना हुआ है। दोनों पक्षों के विरोधाभासी दावों के चलते अधिवक्ता समाज में भ्रम की स्थिति है। अब सबकी नजर प्रशासन और न्यायिक स्तर पर होने वाले निर्णय पर टिकी है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि किस चुनाव को आधिकारिक मान्यता मिलेगी और विवाद का अंत कब होगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने हेयर डाई पी, हालत गंभीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलहरा गांव में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में शराब में हेयर डाई मिलाकर पी ली, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सिलहरा गांव निवासी 24 वर्षीय सचिन ने किसी कारणवश शराब के साथ हेयर डाई का सेवन कर लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उसे राजपुर स्थित सरकारी अस्पताल ले गए। अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. ध्रुव सिंह ने युवक की हालत गंभीर होने पर उसे कानपुर के मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हालांकि, परिजन उसे मेडिकल कॉलेज ले जाने के बजाय वापस घर ले आए। इस संबंध में राजपुर थाना अध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि मामले की उन्हें जानकारी नहीं है।

रसूलाबाद में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे पर चली जेसीबी

» राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद तहसील क्षेत्र के सिठऊपुरवा गांव में प्रशासन ने अवैध कब्जे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराया। राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण हटवा दिया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी नवाब सिंह पुत्र विक्रम सिंह ने गाटा संख्या 206 की सरकारी भूमि पर रात के समय टीन शेड रखकर कब्जा कर लिया था। इसको लेकर ग्रामीणों ने क्षेत्रीय लेखपाल योगेश सिंह से शिकायत की थी। शिकायत मिलने पर लेखपाल ने मामले की जानकारी उप जिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह को दी। उनके निर्देश पर नायब तहसीलदार हरिशंकर वर्मा के नेतृत्व में राजस्व टीम और पुलिस बल को मौके पर भेजा गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि अभिलेखों का सत्यापन किया। जांच में कब्जा अवैध पाए जाने पर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से टीन शेड हटवाकर जमीन को कब्जामुक्त करा लिया गया।

उप जिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि सरकारी या निजी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही लोगों से अपील की कि कहीं भी अवैध कब्जा होने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें। कार्रवाई के बाद जहां अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया, वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि आगे भी इस तरह के अभियान जारी

हीट वेव को लेकर अलर्ट मोड में प्रशासन, सभी विभागों को दिए सख्त निर्देश

लू से बचाव के लिए 'क्या करें और क्या न करें' का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में बढ़ती गर्मी और संभावित हीट वेव (लू) को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित माँ. मुक्तेश्वरी देवी सभागार में आयोजित बैठक में सभी विभागों को सतर्कता बरतने और प्रभावी कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि लू से बचाव के लिए ÷क्या करें और क्या न करें÷ का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि आमजन को समय रहते जागरूक किया जा सके। साथ ही पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने और स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह सक्रिय रखने पर जोर दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि हीट वेव से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए पर्याप्त दवाएं और ओआरएस उपलब्ध रहें। सभी अस्पतालों में ठंडे कक्ष, अतिरिक्त बेड और पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए चारा-पानी और सुरक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं कृषि विभाग को फसलों में नमी बनाए रखने, वैकल्पिक फसलें अपनाने और बीज-खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। श्रम विभाग को श्रमिकों के कार्य समय में बदलाव, स्वास्थ्य परीक्षण और पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

स्कूलों और गांवों में भी तैयारी

शिक्षा विभाग को स्कूलों में पेयजल और छाया की व्यवस्था करने तथा बच्चों की आउटडोर गतिविधियां सीमित करने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायतीराज विभाग को मनरेगा कार्यों का समय बदलने और कार्यस्थलों पर छाया व पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति और अस्पतालों के लिए विशेष इंतजाम करने को कहा गया है। परिवहन विभाग को बस स्टैंडों पर पेयजल, छाया और प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। नगर निकायों को शहरों में जागरूकता अभियान चलाने और डिजिटल माध्यम से संदेश प्रसारित करने को कहा गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल, एडीएम (वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्य, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ए.के. सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

8 साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या, कनस्तर में मिला शव

30 घंटे बाद घर के सामने ही मिला शव, आटे से भरे कनस्तर में छिपाई गई लाश

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

आगरा।आगरा के ताजगंज क्षेत्र में जूता कारोबारी की 8 वर्षीय बेटी की गला काटकर हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। बच्ची का शव बुधवार रात करीब 8 बजे घर के सामने स्थित दूसरे मकान में किराएदार के कमरे से एक कनस्तर में बरामद हुआ, जिसके ऊपर आटा भरा हुआ था। वारदात के बाद से किराएदार फरार है और पुलिस को उसी पर हत्या का शक है।

मृतक बच्ची की फाइल फोटो | रोते बिलखते परिजन

बच्ची मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे घर के बाहर खेलते समय लापता हो गई थी। परिवार ने पहले आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

जब शाम तक बच्ची वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन तेज की। ट्यूशन टीचर से पूछताछ में पता चला कि वह उस दिन पढ़ने भी नहीं पहुंची थी। करीब 30 घंटे बाद बच्ची का शव बरामद हुआ,

जिसे देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। मां प्रीति सदमे में बेहोश हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने फतेहाबाद रोड पर जाम लगा दिया,

पथराव किया और कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की कोशिश की।

सूचना पर डीसीपी सिटी अली अब्बास भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया।

मृत बच्ची के पिता दिनेश राठौड़, जो जूते का कारोबार करते हैं, ने बताया कि उनके सामने वाले मकान के ऊपरी हिस्से में आरोपी सुनील किराए पर रहता था, जो पेंटिंग का काम करता है। पुलिस ने उसके खिलाफ अपहरण और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।डीसीपी सिटी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही अन्य चोटों की पुष्टि हो सकेगी। आरोपी की तलाश के लिए 10 टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने का दावा किया गया है।

सिंगाही क्षेत्र में तेंदुए के हमले से सात वर्षीय बच्ची की मौत

» इलाके में पिछले कुछ समय से तेंदुए की मौजूदगी देखी जा रही

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। सिंगाही थाना क्षेत्र के सिधौना गांव स्थित फुटहा फार्म में बुधवार शाम उस वक्त मातम पसर गया, जब एक तेंदुए ने घर के भीतर खेल रही सात वर्षीय मासूम को पल भर में अपना शिकार बना लिया।

परिवार के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही तेंदुआ बच्ची को जबड़े में दबाकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए खेतों की ओर भाग निकला। इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है।

बताया जाता है कि जोगा सिंह की पुत्री सिमरन शाम करीब सात बजे घर के अंदर थी। तभी अचानक तेंदुआ घर में घुस आया और परिजनों की मौजूदगी में ही बच्ची पर हमला कर दिया। चीख-पुकार मचने पर परिजन और ग्रामीण तेंदुए के पीछे दौड़े, लेकिन तब तक वह दूर निकल चुका था। काफी तलाश के बाद करीब आधा किलोमीटर दूर गेहूं और मसूर के खेत में बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। सूचना मिलते ही एसडीएम राजीव निगम व सीओ शिवम कुमार मौके पर पहुंचे।

घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं गांव में भय और गुस्से का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में पिछले कुछ समय से तेंदुए की मौजूदगी देखी जा रही थी। इससे पहले भी वह पालतू पशुओं को निशाना बना चुका है, लेकिन समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए। लोगों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद जिम्मेदार विभाग की टीम देर से पहुंची, जिससे आक्रोश और बढ़ गया। रेंजर भूपेंद्र कुमार ने बताया कि पहले से ही दो पिंजरे लगाए गए है और वन विभाग की टीम निगरानी भी कर रही है साथ ही ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और बच्चों को अकेले बाहर न जाने दें।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवारों को कुचला, दो की मौत, एक गंभीर

फतेहपुर के ललौली क्षेत्र में तड़के हादसा, नौटंकी देखकर लौट रहे थे तीनों, अज्ञात वाहन चालक फरार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। जिले के ललौली थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। चंदौरा मोड़ के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौके पर व इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों लोग एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। सुबह करीब 5 बजे जैसे ही वे चंदौरा मोड़ के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे किसी तेज रफ्तार भारी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इटरौरा (थाना मलवा) निवासी राममिलन पुत्र छोटेलाल रैदास की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे में धारूपुर (थाना बिन्दकी) निवासी बलराम (लगभग 50 वर्ष) और अयाहशाह निवासी देशराज पुत्र महावीर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही ललौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल भिजवाया। इलाज के दौरान देशराज ने भी दम तोड़ दिया, जबकि बलराम की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे बेहतर इलाज के लिए कानपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक राममिलन के भाई शिवमिलन ने बताया कि वह अपनी बहन के ऑपरेशन के बाद मामी को घर छोड़ने धरमपुर गया था। वहां गांव में नौटंकी कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें शामिल होने के बाद वह तड़के अपने रिश्तेदारों के साथ वापस लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही दुर्घटना को अंजाम देकर फरार हुए अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच में जुटी है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भाजपा की नामित सभासद नीलम वाजपेई का इस्तीफा, फेसबुक पोस्ट में छलकाया अपना दर्द

» 26 साल पार्टी सेवा का हवाला, बोलीं, इतना बड़ा पद सह नहीं पा रही हूं, नामित होने से पहुंची ठेस

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। हमीरपुर में भाजपा की नामित सभासद नीलम वाजपेई ने अपने पद से इस्तीफा देकर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। उन्होंने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक भावुक पोस्ट के जरिए साझा की, जिसमें उनका दर्द साफ झलकता है।

नीलम वाजपेई ने लिखा कि वह इतने बड़े पद की जिम्मेदारी को खुद पर भारी महसूस कर रही हैं

और इसे निभा पाना उनके लिए संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के लिए उन्होंने करीब 26 वर्षों तक लगातार काम किया, इस दौरान कई संघर्षों का सामना किया और लाठियां भी खाईं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें नामित सभासद बनाया जाना उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है।

पूर्व में पार्टी में उपाध्यक्ष पद पर रह चुकीं नीलम वाजपेई का कहना है कि उन्होंने हमेशा संगठन को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर काम किया।

ऐसे में नामित किए जाने के बजाय यदि उन्हें चुनाव के माध्यम से जिम्मेदारी मिलती तो वह ज्यादा सम्मानजनक महसूस करतीं।

उनकी फेसबुक पोस्ट सामने आने के बाद स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच चर्चा तेज हो गई है। कई लोग उनके इस फैसले को आत्मसम्मान से जोड़कर देख रहे हैं, तो कुछ इसे पार्टी के भीतर असंतोष का संकेत मान रहे हैं। हालांकि, इस मामले में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, नीलम वाजपेई के इस्तीफे के बाद नगर निकाय की राजनीति में नई हलचल देखने को मिल रही है।

रामनगरी में 'प्रसाद' के नाम पर खेल!

जमीन-रेस्टोरेंट डील में हुई लाखों की ठगी

पार्टनरशिप का झांसा, चेक बाउंस, रेस्टोरेंट दूसरे को सौंपने की तैयारी, कई और शिकार होने की आशंका

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। आस्था की नगरी अयोध्या में अब 'निवेश' के नाम पर भरोसे की ठगी का बड़ा खेल सामने आया है। कोलकाता के व्यापारी राकेश जायसवाल की तहरीर पर कोतवाली में अनुराग दुबे, श्रेयांश चतुर्वेदी समेत कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि पहले जमीन दिलाने के नाम पर करीब 20 लाख रुपये ऐंठे गए, फिर उसी रकम को ÷श्री प्रसादम÷ रेस्टोरेंट में 25 फीसदी हिस्सेदारी बताकर निवेश में बदल दिया गया।

पीड़ित का कहना है कि ÷श्री प्रसादम 2÷ खोलने का सपना दिखाया गया, लेकिन भुगतान के लिए दिए गए सभी चेक बाउंस हो गए।

इसी कड़ी में बड़ी देवकाली की कविता गुप्ता ने भी 30 लाख से अधिक की ठगी का आरोप लगाया है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस रेस्टोरेंट में हिस्सेदारी का दावा किया गया, उसे चुपचाप दूसरे को सौंपने की तैयारी की जा रही थी। सूत्रों की मानें तो यह ठगी का जाल और भी बड़ा हो सकता है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन सवाल है क्या रामनगरी में आस्था के नाम पर भरोसे की कीमत वसूली जा रही है?

दिव्यता का चरम

रामनवमी पर रामलला का ऐतिहासिक जन्मोत्सव

श्रीराम लला के मस्तक पर सूर्य तिलक बनेगा मुख्य आकर्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या इस वर्ष रामनवमी पर भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बनेगी। भगवान राम के बाल स्वरूप रामलला का जन्मोत्सव पहले से अधिक दिव्यता और वैभव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर आस्था और आधुनिक विज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा, जिसमें दोपहर में होने वाला सूर्य तिलक विशेष आकर्षण रहेगा।

मंदिर में रामलला का विशेष विधि-विधान से अभिषेक किया जाएगा और उन्हें पीतांबर वस्त्र धारण कराए जाएंगे। इसके साथ ही स्वर्ण मुकुट एवं हीरा-पन्ना जड़ित आभूषणों से उनका दिव्य श्रृंगार किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा पूजा-अनुष्ठान का विस्तृत कार्यक्रम तय किया गया है, जिससे भक्तों को व्यवस्थित और दिव्य दर्शन का अवसर मिल सके।

महापौर का बड़ा ऐलान पत्रकार चौराहे को मिलेगी छांव और शुद्ध जल

टीन शेड, शौचालय और आरओ पानी की होगी व्यवस्था

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम क्षेत्र में पत्रकारों की सुविधाओं को लेकर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने अहम घोषणा की है। बुधवार को पत्रकार चौराहे पर आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां टीन शेड, शौचालय और आरओ पेयजल की समुचित व्यवस्था कराई जाएगी।महापौर ने पत्रकारों को लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि उनके कार्य को सुगम बनाना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पत्रकारों के हित में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। इस घोषणा का उपस्थित पत्रकारों ने स्वागत करते हुए आभार जताया और उम्मीद जताई कि प्रस्तावित सुविधाएं जल्द धरातल पर उतरेंगी। बैठक में अजय श्रीवास्तव, समीर शाही, बृजेश सिंह, राजेंद्र दुबे, पंकज श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र मिश्रा और नरेंद्र बहादुर सिंह सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

जंबो कमेटी में संतुलन का खेल, निष्ठा समीकरण और सियासी गणित का मेल

- » बालकृष्ण वैश्य, प्रदीप यादव और प्रवीण दुबे की ताजपोशी
- » क्या संगठन मजबूत होगा या गुटबाजी को मिला नया मंच?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। लंबे समय से चली आ रही खींचतान और गुटबाजी के बीच आखिरकार भाजपा महानगर की जंबो कार्यकारिणी का ऐलान हो गया, जिसमें अलग-अलग खेमों को साधने की साफ झलक दिखाई देती है। इस नई टीम में जहां संतुलन साधने की कोशिश की गई है, वहीं कुछ चेहरे अपने काम और संगठन के प्रति निष्ठा के दम पर भी उभरकर सामने आए हैं।

महानगर उपाध्यक्ष बनाए गए बालकृष्ण वैश्य का नाम इन्हीं में प्रमुख है। व्यापार मंडल से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले वैश्य ने बूथ अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष तक का लंबा सफर तय किया है। उनके नेतृत्व में पिछले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे प्रदीप कुमार यादव को महानगर मंत्री बनाया गया है, जिन्हें पिछड़ा वर्ग के युवाओं को साधने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। छात्र राजनीति से निकले एक और चेहरा प्रवीण दुबे भी मंत्री पद पर शामिल किए गए हैं, जो संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा इस बात की भी है कि यह नियुक्तियां सिर्फ संगठनात्मक मजबूती नहीं, बल्कि अंदरूनी समीकरणों को साधने का प्रयास भी हैं। अब देखना होगा कि यह नई टीम पार्टी को मजबूती देगी या गुटबाजी की पुरानी कहानी को ही आगे बढ़ाएगी।

अयोध्या दौरे पर नितिन अग्रवाल

- » दर्शन के साथ प्रशासनिक सख्ती के संकेत
- » व्यापारियों से किया संवाद, अधिकारियों को कई निर्देश
- » दौरे में दिखा धार्मिक आस्था और सियासी सक्रियता का मेल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने अयोध्या पहुंचकर श्रीरामलला के दर्शन–पूजन किए और इसके साथ ही व्यापारिक व प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा कर स्पष्ट संदेश दिया। उनके आगमन पर उद्योग व्यापार संगठन के पदाधिकारियों ने विजय सिंह 'बिन्नू' के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया।मंत्री ने व्यापारियों की समस्याएं सुनते हुए समाधान का भरोसा दिलाया और कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारिक हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके बाद आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मंत्री का यह दौरा धार्मिक आस्था के साथ–साथ प्रशासनिक सक्रियता का प्रतीक माना जा रहा है, जिससे व्यापारियों और शासन के बीच समन्वय मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

महागौरीः मां दुर्गा की आठवीं शक्ति की पावन कथा

नवरात्रि में आठवें दिन महागौरी शक्ति की पूजा की जाती है। नाम से प्रकट है कि इनका रूप पूर्णतः गौर वर्ण है। इनकी उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से दी गई है।

अष्टवर्षा भवेद् गौरी यानी इनकी आयु आठ साल की मानी गई है। इनके सभी आभूषण और वस्त्र सफेद हैं। इसीलिए उन्हें श्वेताम्बरधरा कहा गया है। 4 भुजाएं हैं और वाहन वृषभ है इसीलिए वृषारूढ़ा भी कहा गया है इनको। इनके ऊपर वाला दाहिना हाथ अभय मुद्रा है तथा नीचे वाला हाथ त्रिशूल धारण किया हुआ है। ऊपर वाले बाँये हाथ में डमरू धारण कर रखा है और नीचे वाले हाथ में वर मुद्रा है।

इनकी पूरी मुद्रा बहुत शांत है। पति रूप में शिव को प्राप्त करने के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की थी। इसी वजह से इनका शरीर काला पड़ गया लेकिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने इनके शरीर को गंगा के पवित्र जल से धोकर कांतिमय बना दिया। उनका रूप गौर वर्ण का हो गया। इसीलिए ये महागौरी कहलाईं।

ॐ अमोघ फलदायिनी हैं मां महागौरी
श्वेते वृषे समारुढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोदया॥

ये अमोघ फलदायिनी हैं और इनकी पूजा से भक्तों के तमाम कल्मष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी नष्ट हो जाते हैं। महागौरी का पूजन-अर्चन, उपासना-आराधना कल्याणकारी है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियां भी प्राप्त होती हैं।

बस-टिपर टक्कर के बाद लगी भीषण आग, 13 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत

- खदान क्षेत्रों में भारी वाहनों की अधिक आवाजाही दुर्घटनाओं का बड़ा कारण
- बस में आग लगने के बाद यात्रियों के पास बचाव के सीमित विकल्प
- निजी बसों में अग्निशमन यंत्र और इमरजेंसी एग्जिट अक्सर मानकों के अनुरूप नहीं
- ओवरस्पीडिंग, थकान और ड्राइवर की लापरवाही सड़क हादसों के प्रमुख कारण
- हादसे के बाद पहचान और राहत कार्य में समय लगना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती
- विशेषज्ञों के अनुसार, बसों में फायर-रेसिस्टेंट सामग्री और ऑटोमैटिक अलार्म सिस्टम जरूरी

पहले कब-कब हुए ऐसे भीषण बस हादसे

- **2013- महबूबनगर, तेलंगाना बस अग्निकांड:** निजी वोल्वो बस में आग लगने से 45 यात्रियों की मौत, अधिकांश सोते हुए जिंदा जले
- **2021 (चित्तूर, आंध्र प्रदेश):** बस खाई में गिरने से 12 लोगों की मौत, चालक के नियंत्रण खोने की वजह सामने आई
- **2022 (अनंतपुर, आंध्र प्रदेश):** बस-ट्रक टक्कर में 14 लोगों की मौत, कई घायल
- **2024 (तेलंगाना-आंध्र सीमा):** बस में शॉर्ट सर्किट से आग, समय रहते यात्रियों को निकाला गया, बड़ा हादसा टला
- **2025 (प्रकाशम जिला):** बस-लॉरी टक्कर में कई घायल, ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार कारण बने

आंध्र प्रदेश में भयावह सड़क हादसा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

मरकापुरम (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल पैदा कर दिया। रायवरम के पास स्लैब खदानों के नजदीक एक निजी ट्रैवल बस और टिपर लॉरी की आमने-सामने की टक्कर के बाद बस में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 13 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं।

पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अनुसार, हादसा सुबह के समय उस वक्त हुआ जब बस यात्रियों को लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रही थी। खदान क्षेत्र में भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच अचानक सामने से आ रही तेज रफ्तार टिपर लॉरी से बस की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कुछ ही सेकंड में उसमें आग लग गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के तुरंत बाद बस से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। कई लोग अपनी सीटों पर ही फंस गए और जिंदा जल गए। आसपास मौजूद लोगों ने बचाव का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटों और तेज धुएं के कारण वे ज्यादा मदद नहीं कर सके।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान कई शव बुरी तरह जले हुए हालत में मिले, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। घायलों को तत्काल मरकापुरम और आसपास के सरकारी एवं निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, कई घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

प्राथमिक जांच में ओवरस्पीडिंग और लापरवाही को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि टक्कर के बाद आग इतनी तेजी से कैसे फैली—क्या बस में कोई ज्वलनशील सामग्री थी या फ्यूल टैंक में विस्फोट हुआ। राज्य के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज और हादसे की उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की जा सकती है। स्थानीय प्रशासन ने क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था को अस्थायी रूप से बदल दिया है और खदान क्षेत्र में भारी वाहनों की गति नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह हादसा एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि खदान और औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा मानकों का पालन कितना प्रभावी तरीके से हो रहा है, और निजी बसों में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं होते। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों का आईना है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य में और बड़ी त्रासदियों को जन्म दे सकता है।

- प्रकाशम जिले के रायवरम के पास खदान क्षेत्र में हुआ हादसा
- 20 से अधिक घायल; कई की हालत गंभीर, प्रशासन ने जांच के दिए आदेश

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com